हिंदी विश्वविद्यालय में हुआ "चीनी भाषा वार्तालाप प्रशिक्षण कार्यशाला" का आयोजन

25 अगस्त 2017: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र में सत्र 2017 - 18 में प्रवेशित चीनी भाषा के सर्टिफिकट एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को भाषा संबंधी वार्तालाप, व्याकरण, वाक्य-संरचना, लिपि-लेखन आदि का गहन प्रशिक्षण हेतु "चीनी भाषा वार्तालाप प्रशिक्षण कार्यशाला" का आयोजन दिनांक 23 – 24 अगस्त 2017 भाषा विद्यापीठ में किया गया था। यह प्रशिक्षण कार्यशाला में विद्यार्थियों को चीनी भाषा का वार्तालाप पद्धति से परिचित कराया गया। और उसके अलावा सामान्य वार्तालाप अभ्यास, चीन के वर्तमान समाज का प्रात्यहिक भाषा, चीनी रोमन ध्वनि उच्चारन का सहज पद्धति, चीन में भारतीय विद्यार्थियों का अध्ययन जैसे विषय भी अडिओ-भिजुअल पद्धति एवं पावर पॉईंट माध्यम के द्वारा कार्यशाला में समिल कराया गया था। यह कार्यशाला में लगभग 30 विद्यार्थी भाग लिया था और कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागिओं ने प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता में भाग लिए थे ।

कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में श्री विवेक मणि त्रिपाठी, विदेशी विशेषज्ञ (इंडोलोजी –हिंदी), क्वाङ तोङ विदेशी अध्ययन विस्वविद्यालय को बाह्य विशेषज्ञ के रूप में विश्वविद्यालय के और से आमंत्रित किया गया था एवं साथ में चीनी विभाग सहायक प्रोफेसर श्री अनिर्बाण घोष सहायता प्रदान किए है। श्री विवेक मणि त्रिपाठी सन् 2011 से लगभग चीन में प्रवास कर रहे है। वर्तमान में उनहोने चीन गणप्रजातंत्र के क्वाङ तोङ विदेशी अध्ययन विस्वविद्यालय में विदेशी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त हुए है।

कार्यशाला के उदघाटन सत्र में विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के स्पैनिश भाषा के सहायक प्रोफेसर डॉ. रवि कुमार, जापानी भाषा के सहायक प्रोफेसर श्री सन्मति जैन एवं फ्रेंच भाषा के सहायक प्रोफेसर डॉ. सन्दीप कुमार उपस्थित थे। समापन सत्र में भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता एवं विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रोफेसर हनुमान प्रसाद शुक्ल उपस्थित थे और बाह्य विशेषज्ञ श्री विवेक मणि त्रिपाठी एवं सभी विद्यार्थियों को कार्यशाला में भाग लेने हेतु धन्यवाद ज्ञापन किया। दो दिवसीय कार्यशाला का संचालन चीनी विभाग सहायक प्रोफेसर श्री अनिर्बाण घोष ने किया है।